भजन

तर्ज–हम तुम्हे चाहते है ऐसे

मेरे सतगुरू मिले यहां ऐसे
मरने वाले को जिन्दगी मिल गई हो जैसे

1– जिन्दगी थी तेरे बिन अधूरी
आके तुम मिल गए,हो गई आशाएं मेरी पूरी
शाहो का शहनशाह मिल गया है
थे नकाब में तुम अब रूह ने तुझे पा लिया है

2–आपने है लुटाये खजाने
जिसने झोली भरी बन गए है तेरे वो दिवाने
प्यार का रंग ऐसा खिला है
उड़ गये रंग सभी जबसे रंगे हकीकत मिला है

3–नूर अल्लाह का ले के पधारे
ऐसा कोई नही यहां तुझसा प्राण प्यारे
बन के चमके चिरागे हकीकत
जीव मुक्त हुए रुहो के लिए खुली मारफत